



MICROFINANCE INSTITUTIONS NETWORK

Media Visibility Report

Case Study: Annapurna Finance Empowering Women Entrepreneurs

Date of Dissemination: July 10, 2020

Media Coverage Index

S. No.	Date	Publication Name	Edition
1.	19.07.2020	Vinay Ujala	Indore
2.	13.07.2020	Samay Jagat	Bhopal
3.	12.07.2020	Yug Pradesh	Harda
4.	12.07.2020	Dabang Dunia	Bhopal
5.	11.07.2020	Dainik Jagran	Harda
6.	11.07.2020	Apni Dunia	Harda
7.	11.07.2020	Choutha Sansar	Indore
8.	11.07.2020	Hari Bhoomi	Harda
9.	11.07.2020	Raj Express	Harda
10.	11.07.2020	State Express	Harda
11.	11.07.2020	Swadesh	Harda

Publication	Vinay Ujala
Edition	Indore
Date	19 th July, 2020
Page No.	4

अन्नपूर्णा फाइनेंस की सराहनीय भूमिका

इंदौर सुनीता चौहान मध्य प्रदेश के हरदा जिले में स्थित टिमरनी के एक छोटे से गाँव में रहती है। एक विधवा और तीन बच्चों की माँ होने से लेकर एक सफल उद्यमी तक के दृढ़ संकल्प और संघर्ष की उसकी कहानी सराहनीय है।

वर्ष 2017 में सुनीता के पति के अचानक निधन हो जाना से उनकी दुनिया बिल्कुल बदल गई। अपनी आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए उसने स्कूल परिवहन व्यवसाय को बढ़ाने के लिए अन्नपूर्णा फाइनेंस से 25000 रुपये का लोन लेकर एक मारुति ओमनी खरीदी। सुनीता के काम करने के व्यवस्थित दृष्टिकोण ने उनके लक्ष्यों को प्रोत्साहित किया और उसकी परिवहन सेवा का उपयोग करने वाले बच्चों की संख्या आठ से बढ़कर अट्ठाईस हो गई। जैसे ही उसकी परिवहन सेवाओं का उपयोग करने वाले बच्चों की संख्या 45 हुई उसने अपने मौजूदा दो वाहनों को बेच दिया और अन्नपूर्णा से 40000 रुपये के अतिरिक्त ऋण की मदद 42 सीटर बस खरीदी और एक ड्राइवर को काम पर रखा। अब आसपास के तीन गाँवों के बच्चे अपने स्कूलों तक पहुँचने के लिए बस का उपयोग करते हैं।

Publication	Samay Jagat
Edition	Bhopal
Date	13 th July, 2020
Page No.	03

अन्नपूर्णा फायनेंस द्वारा महिला उद्यमियों का सशक्तीकरण

भोपाल। सुनीता चौहान मध्य प्रदेश के हरदा जिले में स्थित टिमरनी के एक छोटे से गाँव में रहती है। एक विधवा और तीन बच्चों की माँ होने से लेकर एक सफल उद्यमी तक के दृढ़ संकल्प और संघर्ष की उसकी कहानी सराहनीय है। वर्ष 2017 में सुनीता के पति के अचानक निधन हो जाना से उनकी दुनिया जिन्दगी बिल्कुल बदल गई। उसके पति कैटरिंग खानपान प्रबन्ध एवं स्कूल परिवहन का व्यवसाय करते थे। नुकसान को सहन करने में असमर्थ होने के साथ-साथ अब उस पर अपने परिवार एवं तीन बच्चों एक किराने की दुकान और अपने पति के व्यवसाय की पूरी जिम्मेदारी थी, जिसका परिवारिक आय के लिए महत्वपूर्ण योगदान था। सभी जिम्मेदारियों को अकेले निभाने में असमर्थ होने पर उससे पास कैटरिंग व्यवसाय को बंद करने के अलावा और कोई रास्ता नहीं था और उसने स्कूल परिवहन व्यवसाय को जारी रखने का फैसला किया, वो भी पूंजी के अभाव के कारण प्रभावित हो रहा था। अपने बच्चों के शिक्षा संबंधी खर्चों का प्रबंध इंतजाम करना भी काफी चुनौतीपूर्ण हो गया।

Publication	Yug Pradesh
Edition	Harda
Date	12 th July, 2020
Page No.	9

अन्नपूर्णा फाइनेंस द्वारा महिला उद्यमियों का सशक्तीकरण किया

हरदा ।

सुनीता चौहान मध्य प्रदेश के हरदा जिले में स्थित टिमरनी के एक छोटे से गाँव में रहती है। एक विधवा और तीन बच्चों की माँ होने से लेकर एक सफल उद्यमी तक के दृढ़ संकल्प और संघर्ष की उसकी कहानी सराहनीय है। वर्ष 2017 में, सुनीता के पति के अचानक निधन हो जाना से उनकी दुनिया बिल्कुल बदल गई, उसके पति कैटरिंग एवं स्कूल परिवहन का व्यवसाय करते थे। नुकसान को सहन करने में असमर्थ होने के

साथ-साथ, अब उस पर अपने परिवार, तीन बच्चों, एक किराने की दुकान और अपने पति के व्यवसाय की पूरी जिम्मेदारी थी, जिसका परिवारिक आय के लिए महत्वपूर्ण योगदान था। सभी जिम्मेदारियों को अकेले निभाने में असमर्थ होने पर, उसके पास कैटरिंग व्यवसाय को बंद करने के अलावा और कोई रास्ता नहीं था और उसने स्कूल परिवहन व्यवसाय को



जारी रखने का फैसला किया, वो भी पूंजी के अभाव के कारण प्रभावित हो रहा था। अपने बच्चों के शिक्षा-संबंधी खर्चों का प्रबंध करना भी काफी चुनौतीपूर्ण हो गया। अपनी आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए, उसने स्कूल परिवहन व्यवसाय को बढ़ाने के लिए अन्नपूर्णा फाइनेंस से 25,000 रुपए का लोन लेकर एक मारुति ओमनी खरीदी।

Publication	Dabang Dunia
Edition	Bhopal
Date	12 th July, 2020
Page No.	6

अन्नपूर्णा फाइनेंस द्वारा महिला उद्यमियों का सशक्तिकरण

भोपाल। सुनीता चौहान मध्यप्रदेश के हरदा जिले में स्थित टिमरनी के एक छोटे से गांव में रहती है। एक विधवा और तीन बच्चों की मां होने से लेकर एक सफल उद्यमी तक के दृढ़ संकल्प और संघर्ष की उसकी कहानी सराहनीय है। वर्ष 2017 में सुनीता के पति के अचानक निधन हो जाना से उनकी जिन्दगी बिल्कुल बदल गई। उसके पति कैटरिंग (खानपान प्रबन्ध) एवं स्कूल परिवहन का व्यवसाय करते थे। नुकसान को सहन करने में असमर्थ होने के साथ-साथ अब उस पर अपने परिवार तीन बच्चों, एक किराने की दुकान और अपने पति के व्यवसाय की पूरी जिम्मेदारी थी जिसका परिवारिक आय के लिए महत्वपूर्ण योगदान था। उसने स्कूल परिवहन व्यवसाय को जारी रखने का फैसला किया वो भी पूंजी के अभाव के कारण प्रभावित हो रहा था। अपनी आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए उसने स्कूल परिवहन व्यवसाय को बढ़ाने के लिए अन्नपूर्णा फाइनेंस से 25000 रुपए का लोन लेकर एक मारुति ओमनी खरीदी। सुनीता के काम करने के व्यवस्थित दृष्टिकोण ने उनके लक्ष्यों को

प्रोत्साहित किया और उसकी परिवहन सेवा (ट्रांसपोर्टेशन सर्विस) का उपयोग करने वाले बच्चों की संख्या आठ से बढ़कर 28 हो गई। जैसे ही उसकी परिवहन सेवाओं का उपयोग करने वाले बच्चों की संख्या 45 हुई उसने अपने मौजूदा दो वाहनों को बेच दिया और अन्नपूर्णा से 40000 रुपए के अतिरिक्त ऋण की मदद 42 सीटर बस खरीदी और एक ड्राइवर को काम पर रखा। वर्ष 2007 में उसने सिलाई के क्लासेज शुरू कर दिए और उस व्यवसाय से लगभग 5000 रुपए कमा रही थी, लेकिन पति के निधन के कारण छोटे से व्यवसाय में कठिनाईयां आ गईं। हाल ही में उसने दो सिलाई और एक पिको मशीन अपने घर पर सेटअप को फिर से शुरू करने के लिए खरीदीं और अतिरिक्त आय का एक अच्छा साधन शुरू कर दिया। आज सुनीता न केवल एक सफल उद्यमी होने की मिसाल बन गई है बल्कि पूरे गांव के बीच एक प्रेरणा हो गई हैं। वह अन्नपूर्णा फाइनेंस को अपनी सफलता का श्रेय देती है जिसने उसके व्यवसाय को फिर से स्थापित करने के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान की।

Publication	Dainik Jagran
Edition	Harda
Date	11 th July, 2020
Page No.	4

अन्नपूर्णा फाइनैस द्वारा महिला उद्यमियों का सशक्तीकरण

हरदा, जेएनएन। सुनीता चौहान मप्र के हरदा जिले में स्थित टिमरनी के एक छोटे से गांव में रहती है। एक विधवा और तीन बच्चों की मां होने से लेकर एक सफल उद्यमी तक के दृढ़ संकल्प और संघर्ष की उसकी कहानी सराहनीय है। वह अन्नपूर्णा फाइनैस को अपनी सफलता का श्रेय देती है जिसने उसके व्यवसाय को फिर से स्थापित करने के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान की। अन्नपूर्णा फाइनैस के प्रति अपना आभार प्रकट करते हुए सुनीता ने कहा, मैं इस संगठन की शुक्रगुजार हूं जिसने मुझे आवश्यक वित्तीय स्थिरता प्रदान करके मेरे जीवन के पूरे क्रम को बदल दिया। अन्नपूर्णा फाइनैस टीमों के सकारात्मक दृष्टिकोण और समय पर ऋण उपलब्धता ने मुझे कंपनी के प्रति वफादार बनाए रखा। अगर भविष्य में मुझे किसी वित्तीय सहायता की आवश्यकता होगी तो मैं इसी संगठन से संपर्क करूंगी।

Publication	Apni Dunia
Edition	Harda
Date	11 th July, 2020
Page No.	3

अन्नपूर्णा फाइनंसेस द्वारा महिला उद्यमियों का सशक्तीकरण



हरदा। सुनीता चौहान मध्य प्रदेश के हरदा जिले में स्थित टिमरनी के एक छोटे से गाँव में रहती है। एक विधवा और तीन

बच्चों की माँ होने से लेकर एक सफल उद्यमी तक के दृढ़ संकल्प और संघर्ष की उसकी कहानी सराहनीय है। वर्ष 2017 में, सुनीता के पति के अचानक निधन हो जाना से उनकी दुनिया (जिन्दगी) बिल्कुल बदल गई, उसके पति कैटरिंग (खानपान प्रबन्ध) एवं स्कूल परिवहन का व्यवसाय करते थे। नुकसान को सहन करने में असमर्थ होने के साथ-साथ, अब उस पर अपने परिवार, तीन बच्चों, एक किराने की दुकान और अपने पति के व्यवसाय की पूरी जिम्मेदारी थी, जिसका परिवारिक आय के लिए महत्वपूर्ण योगदान था। सभी जिम्मेदारियों को अकेले निभाने में असमर्थ होने पर, उसके पास कैटरिंग व्यवसाय को बंद करने के अलावा और कोई रास्ता नहीं था और उसने स्कूल परिवहन व्यवसाय को जारी रखने का फैसला किया, वो भी पूंजी के अभाव के कारण प्रभावित हो रहा था।

अपने बच्चों के शिक्षा-संबंधी खर्चों का प्रबंध (इंतजाम) करना भी काफी चुनौतीपूर्ण हो गया। अपनी आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए, उसने स्कूल परिवहन व्यवसाय को बढ़ाने के लिए अन्नपूर्णा फाइनंसेस से 25,000 रुपए का लोन (ऋण) लेकर एक मारुति ओमनी खरीदी। सुनीता के काम करने के व्यवस्थित दृष्टिकोण ने उनके लक्ष्यों को प्रोत्साहित किया और उसकी परिवहन सेवा (ट्रांसपोर्टेशन सर्विस) का उपयोग करने वाले बच्चों की संख्या आठ से बढ़कर अट्ठाईस हो गई। जैसे ही उसकी परिवहन सेवाओं का उपयोग करने वाले बच्चों की संख्या 45 हुई, उसने अपने मौजूदा दो वाहनों को बेच दिया और अन्नपूर्णा से 40,000 रुपए के अतिरिक्त ऋण की मदद 42 सीटर बस खरीदी और एक ड्राइवर को काम पर रखा। अब आसपास के तीन गाँवों के बच्चे अपने स्कूलों तक पहुँचने के लिए बस का उपयोग करते हैं। अन्नपूर्णा फाइनंसेस के प्रति अपना आभार प्रकट करते हुए, सुनीता ने कहा, मैं इस संगठन की शुक्रगुजार हूँ जिसने मुझे आवश्यक वित्तीय स्थिरता प्रदान करके मेरे जीवन के पूरे क्रम को बदल दिया। अन्नपूर्णा फाइनंसेस टीमों के सकारात्मक दृष्टिकोण और समय पर ऋण उपलब्धता ने मुझे कंपनी के प्रति वफादार बनाए रखा। अगर भविष्य में मुझे किसी वित्तीय सहायता की आवश्यकता होगी तो मैं इसी संगठन से संपर्क करूंगी।

Publication	Choutha Sansar
Edition	Indore
Date	11 th July, 2020
Page No.	3

सफल उद्यमी की मिसाल सुनीता

इंदौर। सुनीता चौहान मध्य प्रदेश के हरदा जिले में स्थित टिमरनी के एक छोटे से गाँव में रहती है। एक विधवा और तीन बच्चों की माँ होने से लेकर एक सफल उद्यमी तक के हढ़ संकल्प और संघर्ष की उसकी कहानी सराहनीय है।

वर्ष 2017 में, सुनीता के पति के अचानक निधन हो जाना से उनकी दुनिया (जिन्दगी) बिल्कुल बदल गई, उसके पति कैटरिंग एवं स्कूल परिवहन का व्यवसाय करते थे। अपनी आर्थिक स्थिति को सुधारने के



लिए, उसने स्कूल परिवहन व्यवसाय को बढ़ाने के लिए अन्नपूर्णा फाइनेंस से 25,000 रुपए का लोन लेकर एक मारुति ओमनी खरीदी। जैसे ही उसकी परिवहन सेवाओं का उपयोग करने वाले बच्चों की संख्या 45 हुई, उसने अपने मौजूदा दो वाहनों को बेच दिया और अन्नपूर्णा से 40,000 रुपए के अतिरिक्त ऋण की मदद 42 सीटर बस खरीदी और एक ड्राइवर को काम पर रखा। आज सुनीता न केवल एक सफल उद्यमी होने की मिसाल बन गई है।

Publication	Hari Bhoomi
Edition	Harda
Date	11 th July, 2020
Page No.	07

एकमात्र सफल उद्यमी बनने का सपना है।

अन्नपूर्णा फाइनैस द्वारा महिला उद्यमियों का सशक्तिकरण

हरदा। सुनीता चौहान मध्य प्रदेश के हरदा जिले में स्थित टिमरनी के एक छोटे से गांव में रहती हैं। एक विधवा और तीन बच्चों की मां होने से लेकर एक सफल उद्यमी तक के दृढ़ संकल्प और संघर्ष की उसकी कहानी सराहनीय है। वर्ष 2017 में सुनीता के पति के अचानक निधन हो जाना से उनकी दुनिया जिन्दगी बिल्कुल बदल गई। पति कैटरिंग खानपान प्रबन्ध एवं स्कूल परिवहन का व्यवसाय करते थे। नुकसान को सहन करने में असमर्थ होने के साथ-साथ अब उस पर अपने परिवार तीन बच्चों एक किराने की दुकान और अपने पति के व्यवसाय की पूरी जिम्मेदारी थी जिसका परिवारिक आय के लिए महत्वपूर्ण योगदान था। अपनी आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए उसने स्कूल परिवहन व्यवसाय को बढ़ाने के लिए अन्नपूर्णा फाइनैस से 25,000 रुपए का



लोन लेकर एक मारुति ओमनी खरीदी। सुनीता के काम करने के व्यवस्थित दृष्टिकोण ने उनके लक्ष्यों को प्रोत्साहित किया और उसकी परिवहन सेवा का उपयोग करने वाले बच्चों की संख्या आठ से बढ़कर अट्ठारह हो गई। जैसे ही उसकी परिवहन सेवाओं का उपयोग करने वाले बच्चों की संख्या 45 हुई उसने अपने मौजूदा दो वाहनों को बेच दिया और अन्नपूर्णा से 40,000 रुपए के अतिरिक्त ऋण की मदद 42 सीटर बस खरीदी और एक ड्राइवर को काम पर रखा। अब आसपास के तीन गांवों के बच्चे अपने स्कूलों तक पहुंचने के लिए बस का

उपयोग करते हैं। वर्ष 2007 में उसने सिलाई के क्लासेज शुरू कर दिए और उस व्यवसाय से लगभग 5,000 रुपए कमा रही थी। लेकिन पति के अचानक निधन के कारण छोटे से व्यवसाय में कठिनाईयां आ गईं। हाल ही में उसने दो सिलाई और एक पिको मशीन अपने घर पर सेट अप को फिर से शुरू करने के लिए खरीदी और अतिरिक्त आय का एक अच्छा साधन शुरू कर दिया। आज सुनीता न केवल एक सफल उद्यमी होने की मिसाल बन गई हैं बल्कि पूरे गांव के बीच एक प्रेरणा हो गई हैं। वह अन्नपूर्णा फाइनैस को अपनी सफलता का श्रेय देती है जिसने उसके व्यवसाय को फिर से स्थापित करने के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान की।

Publication	Raj Express
Edition	Harda
Date	11 th July, 2020
Page No.	7

अन्नपूर्णा फाइनेंस द्वारा महिला उद्यमियों की मदद

नई दिल्ली। अन्नपूर्णा फाइनेंस द्वारा महिला उद्यमियों को आसानी से कर्ज उपलब्ध कराकर सशक्तिकरण में मदद की जा रही है। सुनीता चौहान नामक एक विधवा और तीन बच्चों की मां को एक सफल उद्यमी बनने में अन्नपूर्णा फाइनेंस ने मदद की है। अपनी आर्थिक स्थिति को सुधारन सुनीता ने स्कूल परिवहन व्यवसाय को बढ़ाने के लिए अन्नपूर्णा फाइनेंस से 25000 रुपये का ऋण लेकर एक मारुति ओमनी खरीदी। इसके बाद अन्नपूर्णा से 40000 रुपये के अतिरिक्त ऋण की मदद 42 सीटर बस खरीदी। अन्नपूर्णा फाइनेंस के प्रति आभार प्रकट करते हुए सुनीता ने कहा, मैं इस संगठन की शुक्रगुजार हूं जिसने मुझे वित्तीय स्थिरता प्रदान करके मेरे जीवन के पूरे क्रम को बदल दिया।

Publication	State Express
Edition	Harda
Date	11 th July, 2020
Page No.	2

अन्नपूर्णा फाइनैस द्वारा महिला उद्यमियों का सशक्तीकरण



हरदा। सुनीता चौहान मध्य प्रदेश के हरदा जिले में स्थित टिम्पली के एक छोटे से गाँव में रहती है। एक विधवा और तीन बच्चों की माँ होने

से लेकर एक सफल उद्यमी तक के दृढ़ संकल्प और संघर्ष की उसकी कहानी सगहनीय है।

वर्ष 2017 में, सुनीता के पति के अचानक निधन हो जाना से उनकी दुनिया (जिन्दगी) बिल्कुल बदल गई, उसके पति कैटरिंग (खानपान प्रबन्ध) एवं स्कूल परिवहन का व्यवसाय करते थे। नुकसान को सहन करने में असमर्थ होने के साथ-साथ, अब उस पर अपने परिवार, तीन बच्चों, एक किराने की दुकान और अपने पति के व्यवसाय की पूरी जिम्मेदारी थी, जिसका परिवारिक आय के लिए महत्वपूर्ण योगदान था।

सभी जिम्मेदारियों को अकेले निभाने में असमर्थ होने पर, उसके पास कैटरिंग व्यवसाय को बंद करने के अलावा और कोई रास्ता नहीं था और उसने स्कूल परिवहन व्यवसाय को जारी रखने का फैसला किया, वो भी पूँजी के अभाव के कारण प्रभावित हो रहा था। अपने बच्चों के शिक्षा-संबंधी खर्चों का प्रबंध (इंतजाम) करना भी काफी चुनौतीपूर्ण हो गया।

अपनी आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए, उसने स्कूल परिवहन व्यवसाय को बढ़ाने के लिए अन्नपूर्णा फाइनैस से 25,000 रुपये का लोन (ऋण) लेकर एक मारुति ओमनी खरीदी। सुनीता के काम करने के व्यवस्थित दृष्टिकोण ने उनके लक्ष्यों को प्रोत्साहित किया और उसकी परिवहन सेवा (ट्रान्सपोर्टेशन सर्विस) का उपयोग करने वाले बच्चों की संख्या आठ से बढ़कर अड़इस हो गई।

जैसे ही उसकी परिवहन सेवाओं का उपयोग करने वाले बच्चों की संख्या 45 हुई, उसने अपने मौजूदा दो वाहनों को बेच दिया और अन्नपूर्णा से 40,000 रुपये के अतिरिक्त ऋण की मदद 42 सीटर बस खरीदी और एक ड्राइवर को काम पर रखा। अब आसपास के तीन गाँवों के बच्चे अपने स्कूलों तक पहुँचने के लिए बस का उपयोग करते हैं।

सुनीता को सदैव अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने का उत्साह था। वर्ष 2007 में, उसने सिलाई के क्लासेज शुरू कर दिए और उस व्यवसाय से लगभग 5,000 रुपये कमा रही थी। लेकिन, पति के अचानक निधन के कारण छोटे से व्यवसाय में कठिनाईयाँ आ गईं। हाल ही में, उसने दो सिलाई और एक पिको मशीन अपने घर पर सेट-अप को फिर से शुरू करने के लिए खरीदी और अतिरिक्त आय का एक अच्छा साधन शुरू कर दिया।

आज सुनीता न केवल एक सफल उद्यमी होने की मिसाल बन गई है, बल्कि पूरे गाँव के बीच एक प्रेरणा हो गई हैं। कठिनाईयों के बावजूद, उसने आशा (हौसला) नहीं छोड़ी और अपने परिवार की परवरिश के लिए आगे बढ़ने को तत्पर थी। वह अन्नपूर्णा फाइनैस को अपनी सफलता का श्रेय देती है जिसने उसके व्यवसाय को फिर से स्थापित करने के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान की।

अन्नपूर्णा फाइनैस के प्रति अपना आभार प्रकट करते हुए, सुनीता ने कहा, मैं इस संगठन की शुरुआत करूँगी जिसे मुझे आवश्यक वित्तीय स्थिरता प्रदान करके मेरे जीवन के पूरे क्रम को बदल दिया। अन्नपूर्णा फाइनैस टीमों के सकारात्मक दृष्टिकोण और समय पर ऋण उपलब्धता ने मुझे कंपनी के प्रति वफादार बनाए रखा। अगर भविष्य में मुझे किसी वित्तीय सहायता की आवश्यकता होगी तो मैं इसी संगठन से संपर्क करूँगी।

Publication	Swadesh
Edition	Harda
Date	11 th July, 2020
Page No.	6

अन्नपूर्णा फाइनेंस द्वारा महिला उद्यमियों का सशक्तीकरण

स्वदेश संवाददाता, हरदा

सुनीता चौहान मध्य प्रदेश के हरदा जिले में स्थित टिमरनी के एक छोटे से गाँव में रहती है। एक विधवा और तीन बच्चों की माँ होने से लेकर एक सफल उद्यमी तक के दृढ़ संकल्प और संघर्ष की उसकी कहानी सराहनीय है। वर्ष 2017 में, सुनीता के पति के अचानक निधन हो जाना से उनकी दुनिया (जिन्दगी) बिल्कुल बदल गई, उसके पति कैटरिंग (खानपान प्रबन्ध) एवं स्कूल परिवहन का व्यवसाय करते थे। नुकसान को सहन करने में असमर्थ होने के साथ-साथ, अब उस पर अपने परिवार, तीन बच्चों, एक किराने की दुकान और अपने पति के व्यवसाय की पूरी जिम्मेदारी थी, जिसका परिवारिक आय के लिए महत्वपूर्ण योगदान था।



सभी जिम्मेदारियों को अकेले निभाने में असमर्थ होने पर, उसके पास कैटरिंग व्यवसाय को बंद करने के अलावा और कोई रास्ता नहीं था और उसने स्कूल परिवहन व्यवसाय को जारी रखने का फैसला किया, वो भी पूँजी के अभाव के कारण प्रभावित हो रहा था। अपने बच्चों के शिक्षा-संबंधी खर्चों का प्रबंध (इंतजाम) करना भी काफी चुनौतीपूर्ण हो गया। अपनी आर्थिक

स्थिति को सुधारने के लिए, उसने स्कूल परिवहन व्यवसाय को बढ़ाने के लिए अन्नपूर्णा फाइनेंस से 25,000 रुपये का लोन (ऋण) लेकर एक मारुति ओमनी खरीदी। सुनीता के काम करने के व्यवस्थित दृष्टिकोण ने उनके लक्ष्यों को प्रोत्साहित किया और उसकी परिवहन सेवा (ट्रांसपोर्टेशन सर्विस) का उपयोग करने वाले बच्चों की संख्या आठ से बढ़कर अट्ठाईस हो गई। जैसे ही उसकी परिवहन सेवाओं का उपयोग करने वाले बच्चों की संख्या 45 हुई, उसने अपने मौजूदा दो वाहनों को बेच दिया और अन्नपूर्णा से 40,000 रुपये के अतिरिक्त ऋण की मदद 42 सीटर बस खरीदी और एक ड्राइवर को काम पर रखा। अब आसपास के तीन गाँवों के बच्चे अपने स्कूलों तक पहुँचने के लिए बस का उपयोग करते हैं।